



ASHA ARCHIVE

2499



सामान्य काय
2499
ASIA ARCHIVES

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

आचार्यसंस्कृत

2497

८३ नमः सवेष्टयः यनमासे वासादहो ८ कलाकाधिय किंयु ॥ नानासाध्याधिकं वक्र सादानेस्मि सभयशा ॥
 केलाकाया आधिय किं वं वद सं नमस्का व ॥ यादावनामा माय सायिकास्यं कथा वादानेस्मि मडं कथास्यं किं न
 ह्ययधकं ॥ १ ॥ यमिन वासिदं भासं नः ॥ शशासाकेकलका ॥ धमायद सांवेन यं काया कायं पुनपुनं ॥
 ॥ नेशयन मन यन यथासुध वरयं ॥ कलसिबदाध धमा वं धमिनां सायिव डवद सवक्र दयव काया
 मकाय पुकायु कशिपिव ॥ २ ॥ कदहं सवदका मेन वातां हि कका मया ॥ कनय ह्यवद कमा केवादि कका विनि

॥ १ ॥ ममन यथाकदिक याय कामना किं न ह्यय पुन वमन यन यलवक्र न धमा सुध वरयं मया माकन ह डका याह
 मा मनादिक याय अंधमा कनदिक यायिव ॥ धकं ॥ ३ ॥ ममन यवका मिशान कन कलाधिकं ॥ येन वि
 हाकमा कन सवेह त्वं दिजायका ॥ ॥ धमलम कयं कन ह्यव सयान का विमि स्यं ह्यया पुन पुमह
 न यन धमा सुसाया माकन यथाय वमन ॥ वयन रुक रुविश्वरु मानसि वयं सां सायिव धकं ॥ ४ ॥
 मती स्या यदमन डका रु वननय ॥ दिवकां मय यायान यायु काय व सोदाकि ॥ ॥ मती कादि म यन ड

यदसाविश्वथयककवविनकीवमरुवननानिचकंधयकहुहुदिगहननकाहाम। गकवसोधिथायंधयकधाविथायव	
महातिजनकवसावमवमानसाहंवावे	व॥ ५ ॥ गुनिरे४मरुमंवावां यधुकेमरुमंकथाकाविरे
वमहामिकुतंकुदीनावाविमिदकि॥	गथधारासायमंगथायकवंगुनिकमवतकयकवंगानिमा २
वमिकुथायकवमरुनयायकवकववम	मवधयथाकमगुवनमवमानवनमरुवधक॥ ६ ॥
दत्तामनांमुकमानांमययानांवदकिनां॥ मनांवाक॥ नानाविधवाकेमकायव४॥	वादायवंधयकविधंथ

यकथनकावंधयककिमिधंधयकमुवंधयकवाका	रतनधकिमवविधासायाकमधमयायायवसा
वनं॥ न॥ वावेरेनांमहाविधासंयोनय	४कहुमिधुकि॥ मरुकावायमंसयंयकिरे४यकिदधम॥
॥ यनययुयनमरुवाविधासायाय	यमं वमयामिमावाम कदवयकवानमिमानकाकिंदवयंभी
मुनिहदनसाधुवधका॥ धिनमार्ग	यथावाविधासंगहनयय॥ आदायववधवयुलकलका
मदाकवक॥	॥ मनयनधिननदमयाधमंधयककाशुदकायमंधयक॥ विधासा ममनमंधयकनय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ करदावत्तयाग्नौ रथं करं यमकाशत करदावत्क्षितिपुत्रं समस्तं ॥

॥ ६५ ॥ मुनस्याननसविद्यानेतदास्यदमास्थिराकविश्वीः

मन्त्रासमदकृत्त वमन्त्रा विज्ञांकावकृत्त वमन्त्रावकृत्त वमन्त्रावकृत्त

॥ यथायुक्तं विहास्य नमो नमः प्रथित ॥ नात्र का संक

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

गन्तव्यं नृणां कुरुक्षेत्रं नन्दनं ॥

कनकाद्यनमास्ययु। वशास्ययु। न। मुननामास्ययु।

॥ अथ मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

महायास्योपनिषद् महायस्योपनिषद् महायस्योपनिषद्
लालाय यं वरुणा निदधत मानिना दय कृणु मा संया यं या दसा वरुः
वयं कायदादमास्तु बृहन्नश्वयजिदमा मादय यं काजिद्वयददाः
लाललाददवादावा मादनाददवागुना कस्मा युक्तं वा सिध्यति

यकमभव॥ १२ वायविरश्म्यासयाध्रुवां यरूयां किंय
यादनां॥ वायनय्युवयसाविशामजमराविवमथविह
सर्वमदमहावयस्यवक्रुयथाज्ञान॥ १३ वायकाशुविवि
वकिखयुजादिता॥ वाहुनिशाकनकायज्जडा वयभाभुम

कायसाकससमालाकससस्यनमायथायिवधकं॥ १४ ॥ यथयुक्तिकेमावस्यमयथासाववादक॥ यथयुक्तिः	
भावाकायथकेयुक्तादिनादिना॥ ॥	यानकमायिस्यनधवकायदाहायुगामसकवकायसासुदाहा
दृष्टासुसवसावादानयदानमानेयायिव	दिनयकिंसासुसहाकायधकेदाहा॥ १५ ॥ गुनयकिंयांय
सांयलाकिंमाकोषेयथाजनंशाविक्रियम	नद्यभोकिं॥ गावकोशविवक्तिना॥ ॥ गुनसवसावादन
महासहयथाजनद्वद्वयमद्वसासायंघनकात्यायकंमृगमवद॥ १६ ॥ नवस्यारुवनंयंयस्यारुवनंगुन	

॥ गुनस्यारुवनंरुनरुनस्यारुवनंरुना॥	॥ मनस्यारुवनंरुनरुनरुनस्यारुवनंरुनगुनगुनः
यासारुवनंरुनरुनरुनयासारुवनंरु	द्रुनंरुना॥ १७ ॥ गुनंयुष्टमिमावयंशालंयुष्टमिमाकाः
यांमिद्विषुष्टमिमाविद्याशांयुष्टमिद्वि	माधनं॥ ॥ वयमद्यकययगुनयजनकलनतवकय
यशीलयजनविद्यामयकययमिद्विष	जनवनमवकययदरुमुकायजन॥ १८ ॥ गुनस्यदः
कंयंयमिद्विषुष्टमिद्विषुष्टकाविद्यायुक्तमस्यदकधनं॥	॥ गुनससवदावयुयदंकावजनं

शिरमरितनडावकनतंरुनडावं मसिद्धिद्वयहावाविशायंरुवडावंदरुलुक्कामदकहावधनतंरुवडावं॥ १८ ॥ गुनरुवायकवांकायंभीलरु ॥ गुयथाआरुवनडावंगुनरुवया वनडावंदरुलुक्का॥ १९ ॥ मकन मरुवमंयुडाकयकु॥	वायककुरंशासिद्धिरुवायकाविशायंरुवायकवनं॥ आरुवनडावंशिरविशायआरुवनडावंसिद्धिधनयाआरु याकयकुकायायुगविशाययंकयशाकयमनडाकयदुक्क ॥ कयाडाकययडावंरुदकरमकायडाकययडावंविशायमंरुयाकययडावं
---	--

नं

आयदासाभिरुयाकययडावंधमीसा॥ २० ॥ नात्यवधियममरुत्राकिलिभारमाकरं॥ यवसायाप्रदायानांजाकिः यायामहादाधे॥ ॥ डयाययकहाः ममदयंयारयायकिवधुनेअथेनलुह नयकदहनयंयादनेकाकरनया॥ अरुध्वः किंल्लकयुनंगाकआदिदनल्लकवायुनंगाकअरुध्वयुनंगाकविनयकिंआदिदनदानयायअरुध्वयुनंगाक॥	वसमययवकवंडवमकवयाकायलुवंकादावमकव॥ सागर निशकनडुजागयायआदिदनंमारवकं॥ २१ ॥ ल्लक दिवकंमंकेयाकयानाअथनकमंसा॥ ॥ आदिदनदिनय
---	--

आरमा जालया वनदवमायाथं धमायु म मरु म ममा रु वयं॥ ३८ वागित्यागेन मतात स्या यष्टिकां मेरु संशदं॥
 अथी वंदवतां विद्या यं वन मरु या नो वि॥
 नमव साधुजन वमिह याय सायु मयक
 मानिक सत्वं कय तं गु न उ श क ता गु ना रु
 लन क स मा य म रु क रु रं गु न ध र मं गु न य रि का या दा व ग थ वं वा र सा इ इ स य र य मान रु र थ थं॥ ४० वा

॥ सिकमिया या या र मा क मिया या या र अ म मा यः
 धहा नाय न य रं मा य म रु व म रु य रु अ र॥ ३९ ॥ न तिक
 गु न रु रं जा के य था द वि रु रं य था॥ ॥ य न व य र त यं ज

के क व न वि सा ल न गु न वान् यु कि मा न र वि न व गु वि षु द्वा द य नि गु षा किं कालि श कि॥ ॥ किं व क र क या व रु यः
 आ क न स गु न रु न था ल व रु मा क न मा न
 क न॥ ४१ ॥ किं क ल न वि सा र न वि या दि
 ॥ य न व म व थ वं क र व रु क या व रु
 थ व व रु क या क म थं व रु य वि व रु क॥ ४२ वा ना वा थि रु य वि या य व त्या व न ग रु कि ॥ उ रु धि रु व ग रु य रं नो क रु

या थि व व न वं स या जा या का य थि रु व नि गु नि रु व हा व रु य थ
 न यो म् यु थान र ॥ म् कालि ना द यि नि द्वा सा द व रु क या यि य रु क॥
 य था क न ॥ वि या दि न रु व हा व सा रु स र सा य रु व रु र मां ग

जाकेयशाऊन॥	॥विद्याकृतं नाम वडुधिं वसमदयारयायनधुं काल नाम रागरायिव समदयारयायनडाव
नामद्वयशाऊन॥ ४७ ॥ गुनामद्वय	युक्तकथिकिवं मानिलथेकशावा मदवनस्य मोनि वसदवनः
कडना॥ ॥ विदुवनमंगुनययुः	जायाकं वयकायधकक्षायमदगुनथरदानतं ना रायनतं सम
रुस्यनयुजायाकंगुनमथरदानना राय	नसवादानतं रुस्यनयुजाभयाक॥ ४८ ॥ गुनामद्वय
वतुंदयविवसतां सतां ॥ कमाकि गंधमायायं सयं ययं द४॥	॥ गुनवक्रवसयथासाथकवसाधुजनवस

१०

रयाथासाथकवसायिनवानसां गंधककिस्वानयावा सतात रुमवक्रवजयुधं पाकवानेव॥ ४९ ॥ विद्यातं वय	का विद्या सधेकयुक्तिरु॥ ॥ राकाव विद्यामरु सवक्रवः
तं वनादिदुययसाकमशास्वदसयुक्तिमाश	नयायावयनसाकसमायमयाक विद्यासवक्ररंगतवनसानां
रुस्यधायमदराकाकुरंधवराक्षसद्वका मा	नकनायिसयकनविद्यायुक्तनसाधुनां ॥ कुरंधवराक्षसिंदनरुद
राकानंयुजानं मायेयायिद॥ ४६ ॥	नेययकासक॥ ॥ सयकयादनं विद्यावक्रसाधुयादनं गंधरुदमानकी ॥ रुयकासाकमथं थवाको रुयकासः

यायहमसाहमकायनंगाक॥ ४० ॥ विद्या४कांजनं कधीक कश्चित्कश्चिद्वयकांजनं॥ डरुयाकांजनं कश्चित्कश्चित्का
 लायकांजनं॥ ॥ गुणीष्टिनांलाकया ॥ थयंरुधुगुशिष्टिद्वंद्वयथाधरंरुधु॥ गुलिष्टिद्वंद्वलाकविद्याम
 वदयदवगुलिष्टिद्वंद्विद्याममद्वयमथः ॥ ४६ ॥ नमस्तेरुलिनाहकातमस्तेगुनेलाडनाठागु ॥ ४७ ॥
 म्कासंयंमत्तकश्चिद्वयमनेवमयक॥ ॥ मिसवशिमानभवतमस्कारमयाकगुनहूननंभवतः
 मस्कारमयाकतगंधसिंधुमत्तकंथजययययमस्तिवमत्तलाकहयकारनंमद॥ ४८ ॥ नाहिकमोनेयदा

रिमंआकाययथाकयक॥ आहारमेधुनानेदाकयथाआयमवर॥ ॥ थयकाकमोसानेयिबममकवआहार
 मेधुननेदाखाआयधयकाधकं॥ ५० ॥ ॥ आहारकायकथाविगडाकवशकायक॥ गुलमीवधमः
 आया४यथाआदाययकय॥ ॥ थयकासानेयिबमयाहाकद्वयआहारयाकमाआविजायययि
 वकाभयाकसाकुलष्टिनमसाजायययि॥ ॥ दहंयतसादाविदकायिवसायुयदवसाआयुवसायुव॥
 ५१ ॥ ॥ वदवदांगकतहृदयहामयमकमतआसिवादयजानेलांनखशरुयुवाहिक॥ ॥ गुनवकाकनवः

दवदांगमवस्यवजयक्षामविश्यामिव आभिर्योदविषहवधकमजासंयादिकयायकाण॥ ५२ ॥ याहनिशामह
 द्विचारहिदकयाविवकि॥ विधुववयवि
 वनमजाकआयमिववसयागिरुवद्वयम
 यमासत्यधमीययष्टुकिंन॥ यविनयम
 सत्यवकमधमीकमवधुवविवकनकमावकमथधिंमराजायायधकं॥ ५४ ॥ कुरवसुमानितंलवंगुयगहसदा

५२

क्तावांगनायवयकलोवतावियत्यनिकाऊयकु॥
 धमंराजायायममव॥ ५५ ॥ मववह
 विधीयक॥ वादकायकुरंडाकाय
 सामयाकमधमीकधाय॥ ५६ ॥ अ
 वद्याविधीयक॥ वावंगयादिनवेद्यमाशुमुखासयाकनादेकदविकिसासवलाकवधुवमिवसकावकिधगुन

वक्रधर्मवैशम्यम् ॥ ५० ॥	॥ यिहयिनामसादक ॥ ५१ ॥	॥ यिहयिनामसादक ॥ ५२ ॥
॥ वक्रधर्मवैशम्यम् ॥ ५३ ॥	॥ यिहयिनामसादक ॥ ५४ ॥	॥ यिहयिनामसादक ॥ ५५ ॥
॥ वक्रधर्मवैशम्यम् ॥ ५६ ॥	॥ यिहयिनामसादक ॥ ५७ ॥	॥ यिहयिनामसादक ॥ ५८ ॥
॥ वक्रधर्मवैशम्यम् ॥ ५९ ॥	॥ यिहयिनामसादक ॥ ६० ॥	॥ यिहयिनामसादक ॥ ६१ ॥

५३

यसीवक्रधर्मवैशम्यम् ॥ ६२ ॥	॥ यिहयिनामसादक ॥ ६३ ॥	॥ यिहयिनामसादक ॥ ६४ ॥
॥ वक्रधर्मवैशम्यम् ॥ ६५ ॥	॥ यिहयिनामसादक ॥ ६६ ॥	॥ यिहयिनामसादक ॥ ६७ ॥
॥ वक्रधर्मवैशम्यम् ॥ ६८ ॥	॥ यिहयिनामसादक ॥ ६९ ॥	॥ यिहयिनामसादक ॥ ७० ॥
॥ वक्रधर्मवैशम्यम् ॥ ७१ ॥	॥ यिहयिनामसादक ॥ ७२ ॥	॥ यिहयिनामसादक ॥ ७३ ॥

धीजायथाकृवादीरुनकद्वमाविधीयक॥
 कुरुकुरुकुरुधर्मद्वमाविधीय॥ ५७ ॥
 कुरुगावसुधेव॥ ॥ वाकास
 द्वादिमानयाकंदामंकावुशीयाय॥
 दिमश्चावसानयूनकयास्यकिविधिया॥

॥ मत्ताम्नातकिंशुववनयहुकवयलवादिनाककलानिधियोव
 याधिवस्यवरुकास्यवदामिगुनरुनं॥ येनसर्वद्वकवाका
 वडमावनयावगुनलकनलदावशुमंडमावननवाकास
 ५४ ॥ अकयवकालिनानंदयाकवाकिमंगदं॥ आदिमश्चा
 ॥ अमनिधियनकुलवकदयावककठिलीयादनआदिम

१४

आवसानमविधियामयाक॥ ५५ ॥ यदिकुयगुनासर्वोमत्यद्वत्वायुकावला॥ कसायतेसद्वत्तनयाकयकंदसस
 क॥ ॥ गुनसमसुवविधकनलानि
 लानिद्वकवयमाव॥ ५६ ॥ यल्लानिया
 कलधधनागमं॥ ॥ लानिधोदवह
 याककयवलकीवुद्विकयव॥ ५७ ॥ मत्तोनिधामादकयदावा॥ मादिवका॥ अयमश्चाथेनागशुनवकयक

याकदावनसमसुवमत्ययाकधमिनमत्यकादरदिमावकं
 कमानुसात्रियाया॥ कयगुनाधायेग॥ सगानिवागधय
 यकाकसवाकाससमागुनदयवकसाकेलिदययससनेम
 ॥ मत्तोनिधामादकयदावा॥ मादिवका॥ अयमश्चाथेनागशुनवकयक

नं० १०॥	वामदेवार्थक रयाकार्यसमाजासुखमादयनदयव॥	अथकिरिहिकायवत्तक्रीमवयवयवकसनवकव
निय॥ ५८	वाममाहमिधयानेसंदर्म	कामार्थेदृष्टयरायुनवकनिसाकक गुनहेनविषययक
	वाधकनयवयवादानधमयथेका	मद्विद्याययुनवकमंयाकवयमाया गुनहेनमंमादक
माया॥ ५९	वार्थकीकिक्करुह्य४	शुरुवायविवाशुरुंमनसंबद्धमवाजा सुकमइशमवाये
॥	वायुनवकमंजाकवयानधमनशुरुय	नं० ११ गुरुयादतंमककयादतं४३४कयादतंमजासवकी

१०

शुद्धिमानथायिव॥	नं० ११ वार्थथादमंयविकक	यमाकनष्टदने४॥ कययवयमयवकुलनीलेनकसमा॥
गथभाषसा	वृत्तसंदासंमाकविदतंय	विक्रायार्कंयथाकुलसंसावकमेनयवकंययविक्रायाय
नं० १२	वार्थकययवकदंशुरुह्या४वाध	वायसनागमा॥ आयकारकथाभिरुकायीकविकवकय॥
उगावतदमिस्वयवा	शुभंमकनदिन	यायआयदासमिगुहेनसायवियमिसकीदिमसायवियय
मदकहाव॥	नं० १३ वार्थथा४वद्विवासाजानडहमाधममथकोमा॥	कनकाकाकथायायायिक्विषयवकमस

काशीथिरुद्रकलाक नलाकयसमावेकशावदुकीरुचंद्रमुयारिकोकोमेमाकवं॥	॥कार्ययाचनमवनलाकरुद्रकल
यहागथवैवावमासायानददकानमदयाव	मासाकादकवंअथंत्वा॥ ५७ ॥कक४शमानेनानिदाअरुयस
कुकारिके॥कक४मोत्यांदावेदस्यदुक्कनस्यक	का४कमा॥ ॥यसनमरुमसादुदमदरुयिमजवम
याशिकेतंमददारेदकयासायवमददुक्क	नसायादमात्वंमद॥ ५८ ॥ककवस्यकामानादुक्कनस्यक
ककमा४वेत्याकुमाकक४वहाकक४मंगायकाभेना॥	॥यथाकमानेयंमददुक्कनस्यकमात्वंमदवेद्यामिठ

५७

सायाकसीनदत्वंमदकामियाकसत्यत्वंमद॥ ५०	॥दुवरस्यवरंराजावात्तानांवरिकंवरंभावरसत्यस्यमोनत्वंवोवानां
महेन्द्रकंदरं॥ ॥दवलसंयावरकवं	राजावावरकसावरदुवंत्वायमत्ययावत्तदुवंवनमवायंवात
तयावरदुवंअगुनीयंनीकियाथ॥ ५१	मनाथानांदवीदानांवातदृष्टिकयाधिनांअनयंयारिद्रकानांम
वेद्यांयाथिवागकि॥ ॥निगेकिया	अनक्रयावातकयाकाथेयादंगमयाविशमियाधकिमगकिद्र
वंराजा॥ ५२ ॥याधिकस्याथदिनस्यगुरु४किनामिकस्यवशाददयसाकदयससहदोनमोयधं॥	॥या

आकि आयाह बाहं नल कनं॥	॥ धर्मो हल यथ यकि वशा या येन लम्भीरु वन ययकि वं आ या येन व कनत्वं आवा
येन हल यथ यकि व॥	॥ ३ ॥ काशं॥
नात्यस्य कयनं रु॥	॥ न ह्यवम
यवमं थत क दु य थ यवमं थत क दामा	॥ यकाशं थ क र व कि साम थ क य थ थत क ॥ य व कि सा य य
॥ ४ ॥	॥ वि क य थ व मं थत क वि क वि द क य न थ वि रु र सा य म द ॥
॥ ४ ॥ वा ल वे व ल व मं मा के नि कं द र की वि कं ॥	॥ लाना मा ये य कानां गा य मं य क नं रु व मं ॥
	॥ वा र म व मं ॥

२०

याय मा य मु नि त्य स मा र मा क न ग थ धा र सा म् य य सा य द र य थं दा स्यं मा य व॥	॥ ५ ॥ स द म् य ह मो ध म का वि व
नि व रु कं क यं शा य ह यं र द क कानं य मा ठ	॥ दि न द मं रं ॥
धि का वि दार हा व क य मा य व ह व म क र	॥ अ हं का वि दार हा व ध म मा य व
॥ ५ ॥ आ दि का गो ह मा दा मो ह का रु का	॥ हा व कान मा य य मा दि म क र हा व द हा मा रु हा र क रं ॥
॥ मि म ह्य र हा व हा म तं हा र क रं सा वि म थ स न या अ नं हा र क रं व गा डि दा म का स्यं वि या क थं र क रं थ	॥ व सा वि का हा ड या डि शा द मा क थ्या स्वा थ या क की या रु मा ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

यज्ञायायिद्वयं यज्ञादृष्टमिदं यज्ञां यज्ञादृष्टमिदं यज्ञां

उल्लसंसाक्षात्सर्वेष्ववस्थाद्वयसाकमंशाषडकयस्यानिष्ठागम्य

हामरुधीयउवत४वृद्धिजयमक्रम५धनयमानमंयकाइः

वयं यत्तदा यदयदा कांशं तासां वा १०३ ॥ ग्लानमनन रुदन क्रमन वयं वन वशा सर्वेषु सदा सन् द्या कानि ॥

22

राक्षसदाहदलवंगुलियादिदरुवपुमावकंगुनयुशकानथकिडयायनंगुमावकमाया॥

जनसदस्य वा वाचनयो धीवृत्तयश्चरद्वनं॥

थवयारिजनस्थनराज्ञाग्नेसुवाविज्ञयन्तस्यैवाज्ञयसाक्षात्

याकनशुभाकदनथाज्ञयगुणानद्विमथयदाननसमस्तयसख

म०॥ ॥ सत्यं वृत्तं योऽङ्गं च यन्मम ४ स्थावनधूरनैर्द्वयोऽङ्गं च यकदनल्लारिडाङ्गं च यथेति सांभुत्यमङ्गाङ्गं च य

द्वयविनंकर ॥ १०६ ॥ आत्माहिंदंयराविशा हिंयाहिंदंयस्यवशा गदकुकुमोदुवांगाभियरकावंचलकयक ॥

॥ थवदायनमवयाकविशमकवमव
यंरंयमार ॥ १०७ ॥ ममनसाविदयका
यका ॥ ॥ यनयकायममनमानयु

यादायनदकसागथाभिममममयमकायवदायिकथांलायव
यंरंयमानयकासयक ॥ मरुलकनगुहालीकार्यसिद्धिवडा
विनययकवकार्यमसिधभावरवननयकासयायमकव ॥

२३

१०८ ॥ डयकावशुहिननमरुतामरुमद्वरु ॥ यादवग्रवरशुनकधुकेनवकधुका ॥ मडासिकयाक

दायनशरुशीतयाडाडविनंयंकायंकाथंमारगथभाधरमाकंवनकरकधुतस्यांयिकायाथंनियवृषंमिद्वन ॥

१०९ ॥ वददमिकुर्वितनयावकावविश
थववियकिवममरुद्रसांरुस्यंशुयमार
याभादहिशाथंभादहिशमिद्वन ॥ ११० ॥
यंमधुवंयिथ ॥ ॥ दाकिकासनयाववनमगथवमरुवंशाकववनमहानमहारावंशाकववनमहारावलाक

शुयहाकथेवमागरुकावविशायकामेवास्यानि ॥
थवमयकिद्रहाववस्यंशुयाममरुवृं गथभादासदठधर
दाकिद्रकादकमदमधलांकेनसायिमा ॥ मधुवंदकल्यानि लाका
यंमधुवंयिथ ॥ ॥ दाकिकासनयाववनमगथवमरुवंशाकववनमहानमहारावंशाकववनमहारावलाक

नथभंडुयवस्यनाकयवथाकिव॥ ६६६ ॥ यथैध्यांवेनेकीकंसवृद्धनकारयक॥ मानाकालायेवांगामिकथाका-	
नाकिमावका॥ ॥ वाजायाभुंमकरं	मालिनिथाभुंमथंखानहाकोहुहुकाहायकवमानथत्वायका
हनमावकमकव॥ ६६७ ॥ अविमिक	मदासिनंमध्यायविवागुप॥ योनवृथाकिमदात्मासयसवे
कनस्याकि॥ ॥ मकवमकयननवह	ययमिकवमिकयननवहयप्रध्वनयंषुकरुधायग
कनांमिकनांमिरेवावधमयासवेकायनामहायेवधकां॥ ६६८ ॥ अनुयवयकरुंअनाथकरुंयय॥	

५५

आहुत्यासवेरुकावनवधीयांवेनस्याकि॥ ॥ मनयनआयमभासंयययाकसंथयकसाकामददमसत्वाययवका	
वथत्वरुवायमनिंयनंमनिंयनंनयमंमनय	नीयनमदायिव॥ ६६९ ॥ कंकाल४कानिमिकानिकादमका
ययोगमठ॥ कसादंकावमगाकि॥ विकिविजा	मदमद॥ ॥ कावकरंम॥ मिकुकरंम॥ गुदमकरंगावय
भयशुआगमधायहुहुकरंम॥ कमाकिहु	रंहावारंवारंथकिविदाथवमयसभा॥ ६७० ॥ सिंहादकं
वकादकंनिशंयस्याविकुकाहाक॥ वायसात्यवशिआम॥ यहुन४५निमंगदकाक॥ ॥ सिंहायकहुकागुनमन	

वादायथाकृत्वागुनमनयायाकथागुनमनकायथाकनडाकागुनमनयिवायाकनयकागुनमाविवाकस्वमागुन
 मन॥ १११॥ यत्तुकायत्यवायानर॥
 ॥ दृक्वाथीमापंरुयाकमावंदरकमय
 ॥ इत्थीयानिदुसमयवकवकयाधिका
 वादायथिंमनानिमनयमकोयथायमरुकाययंरुकायिगदयादंरुयधुंकार्यथायरुकायय
 कथुमिष्टकि॥ मवोरुयकतायसिंहादकाविधीयक॥
 सानिकायननयकयननमनसिंदयाकमनगुन॥ ११२॥
 नर॥ कायकायाययचाकिमवकायानिमाविथरु॥

११३

॥ ११३॥ यथागुननंरयंरुकायगंरववया॥ इत्थीयमायायुकिमसिष्टयत्तायिककठारु॥ ॥ सवमव
 रंदनशकवयोधरयुकिवंधुलनयनकिरु
 धर्क॥ ११४॥ गुधमेथनधुमत्तकालयु
 ॥ मिथनमगुधुयवमथवह
 कसमगुनधर्क॥ ११५॥ वद्वीगीयायमंडुय॥ निदाधीधनंरुन॥ सासिककधुलधुयदकइयानकागु
 गमवाकासवंनादंरुकाययंथदवधुयकायायाकमनगुन
 यालसंगद॥ अयमादिमधुलकयंरुमिष्टयवायमाकु॥
 निवंधुवायय॥ यमादिमदयसंधुलकयधुकाकायया
 निवंधुवायय॥ यमादिमदयसंधुलकयधुकाकायया

ना॥ ॥ दकटावयादिकं नयमदकमाविकायनयं संकुट्टयशीयननदनशीयननक्रदनयायक्यामिरुः
 क्रिडयसुवक्रयथयुक्तामिवायाकसनः
 नी॥ समं दुष्टो कवाने लं कीर्ति शिष्टात्रराः
 कवमिक्तकमायकधायमरुवदुकानसं
 मा॥ गुनायाकायशुक्रादीदिवदनरुदश्यामिविसवातुजयध्वरुविश्याकि॥

गुनधर्मा॥ ५१६ ॥ अविश्वानुमदकावशीकार्येनवविह
 दका॥ ॥ अथमयादाकार्यमासिधकावश्वमवयम
 कुमदध्वरुमागधियाकसनगुनधर्मा॥ ५१७ ॥ विमल
 ॥ धानिकागुनसनाध

१०

ररयरंडाकाविवदनसमसुमरुदाकांष्टदवायिधमंजययधमरुव॥ ५१८ ॥ अमतायोमनयानांमत्वमं
 कवकसांयवस्यशायकावनयंसारुवकि
 कावकसंमाशकिवयवस्यवनअयकावय
 युथगीवार्यवरुदीमदानेव॥ असाधिका
 यरुडयादंवादकुरुषोमगरथववरीकस्यकाकथथं वंथववरीकस्यंरुदावमायवया॥ ५१९ ॥ अशमनमकि

विग्रहं॥ ॥ मरुमदवक्रानेवाकनानिरथिववनदा
 रुदावडानेसाधुजनयाविग्रहकय॥ ५२० ॥ अवादवठ
 विनस्याकिरुषुअवयकिना॥ ॥ मादयागरु
 ॥ अशमनमकि

कविः यतः केनायिसादिः ॥ अरुवानरगायः ॥ यष्टे यथादाशायिष्यथा ॥	॥ आयाकियाहं नानदासं स्याकं रुः
करयं आयाकिकरुतयमाययुर्वसुधीयाम	स्यांत्वावसयमगनसमायादियाकडाहं माकदमाकदवावः
याहनं सायाकिकरुतयादकाया ॥ ६३ ॥	दुष्टलंशागवकी ध्वंसमगं वानरं वलं ॥ अरुकयवेवामनस
रुववसुध्वंशाया ॥ ॥ समहज	रदास्यो विहाकिडयावनं हं नमकवमाकदमाकनसागरस
मदवं मरुवधयादाशीमसां ॥ ६३ ॥	॥ ययं गमं वयं यं विवाधव यययं ॥ यययकममाननवयं यं वारुस

२८

कां ॥ यदि सिवराजास्यं इकाधिनकाकृष्टमकरसाष्टिमाकृकिडा	कियानेहमाकृकिडा ययययविवाधयाक
सांगथ्याधरसासवनाष्टिवायकरमानांदि	यनिवायकरसां कियानेहमाकृकिडा ससाविदवतयाकृष्टम
करसाष्टिमांमारक्षं ॥ ६३ ॥	रुत्वावमनेमानि कृत्वावरममानकं कयं ॥ समसां याठ
क्रियेयवयवयवयवयव ॥ ॥ रुयय	या ॥ ६३ ॥ विमाकलासनानां अज्ञानां मेधनं करं अ
सोकायकलकीनामवज्ञानां माकयादयं ॥	॥ मनेययाकलकरविमाधरयाकलकरं मेधनकीयादयद

30

[illegible]



दृष्टया॥	॥ दृष्ट्याभिनांदतयववसाभवलुचयदृष्ट्याभिनां सत्वज्ञं ०० रुनरुममसुथववसां मंददं कय सः
तनांदृष्टतनांलरुनश्चाकि॥ ५४० ॥	तस्यानरुचदृष्टदृष्टस्यानरुचमत्त॥ सत्वदृष्टमनश्चाना
चकवत्याविवांकेरु॥	नश्चयासययाविदृष्टदृष्टयाविदृष्टमत्त इत्यमत्तज्ञं कं क
मयासाकदिवथादिविवा॥ ५४६ ॥	किं नृत्तमंथावचश्चयमवांकि ॥ दृष्टयन्निगुतासंघान
मद्योविवादिवाकवशा॥	॥ मद्योवाकममरुमदं चामगुनज्ञानतद्वा यद्वा च दृष्टं गथमिदं सा मद्यत्वं मानमावाय

स्यान्निर्दिष्टा नथथां ॥ २४८ ॥ अममकासहसंगनकानयाकधमागकि ॥ यथायि सोदिने हसु मयामिखातिविय
 का ॥ ॥ अमसकनयवसंगकनहा
 इवकनसांश्चभारधुधंथां ॥ २४९ ॥ सभाः
 क्तासभायिविसमायक ॥ ॥ अमधि
 नकाकयवमाधमवहवमहाथार्थहायव ॥ २५० ॥ ॥ उरुमेः सहसंगनकानयानि समनकिधमहाटनानि

३२

धायनमन्त्रिकेकसमेतद ॥ ॥ अरुंयवनायवानहावमहवसावडरुमहवस्थानकाकवनायवानहावसीडः
 नयंमादसधिरयवदंष्ट्रायंरुवां ॥ २५१ ॥ ॥ किंकरियाकिमयका खरावदवकिमशा यश्ममरुलः
 मन्त्रिकुकायाथानासकांगकि ॥ ॥ ॥ मायवाहावडकशायखरावगुरियाहेवमहवधमाथः
 माहूनंयवनायंयवनवाहगुरियंयय
 ससकावावसवहमन्त्रिणंययानिहमाशा मन्त्रिकेवसमाहानिंयकिंमधिरायक ॥ ॥ माखरनयवमह

किंविदाव दधुमानिंयुयिथावकयथयानुसारिकायि विद्यद्वन्द्वनययनीयवाक्यादययकाजिवरासिद्धिः
 वधो॥ १७५ ॥ यस्मिन्कययथाविद्यायय
 ॥ यथिसवायंरुयाविद्याययदसु
 धनमद्रव॥ १७६ ॥ इत्यस्यानिवासिजाति
 वा॥ ॥ इत्यस्यानिवासिजाति
 ॥ इत्यस्यानिवासिजाति

३३

इयय आनिद्रस्थयिदिवाधवाहाकाभावात्तस्यरुग्णयैकालनायकिष्ठाके॥ ॥ इत्यस्यानिवासिजाति
 यवधेननवरसमद्रवायंरुयाय॥ १७७ ॥
 सारुमासाद्रुयाद्रथा॥ ॥ यस्मिन्
 धरवयायं॥ १७८ ॥ आदिप्रशमदा
 साविधी॥ ॥ नमद्रुमांमिसामद्रु
 इत्यस्यानिवासिजाति

१७० ॥ अथ गुरुं मायि साहं दयया कुरु कथा ॥ चत्वारिंशोऽध्यायः ॥ यथा कमयदध्वरं ॥ ॥ चत्वारिंशोऽध्यायः ॥
 आयि सा कस गुरुं मायि साहं दयया कुरु कथा ॥ १७० ॥ निष्कृता कुरु यन सा वा
 निष्कृता कुरु यन सा वा ॥ १७० ॥ निष्कृता कुरु यन सा वा ॥ १७० ॥ निष्कृता कुरु यन सा वा ॥ १७० ॥
 कुरु यन सा वा ॥ १७० ॥ निष्कृता कुरु यन सा वा ॥ १७० ॥ निष्कृता कुरु यन सा वा ॥ १७० ॥
 निष्कृता कुरु यन सा वा ॥ १७० ॥ निष्कृता कुरु यन सा वा ॥ १७० ॥ निष्कृता कुरु यन सा वा ॥ १७० ॥

३४

१७१ ॥ अथ गुरुं मायि साहं दयया कुरु कथा ॥ चत्वारिंशोऽध्यायः ॥ यथा कमयदध्वरं ॥ १७१ ॥
 आयि सा कस गुरुं मायि साहं दयया कुरु कथा ॥ १७१ ॥ निष्कृता कुरु यन सा वा
 निष्कृता कुरु यन सा वा ॥ १७१ ॥ निष्कृता कुरु यन सा वा ॥ १७१ ॥ निष्कृता कुरु यन सा वा ॥ १७१ ॥
 कुरु यन सा वा ॥ १७१ ॥ निष्कृता कुरु यन सा वा ॥ १७१ ॥ निष्कृता कुरु यन सा वा ॥ १७१ ॥
 निष्कृता कुरु यन सा वा ॥ १७१ ॥ निष्कृता कुरु यन सा वा ॥ १७१ ॥ निष्कृता कुरु यन सा वा ॥ १७१ ॥

स्वमसिब संयामिह वसन्तं शुक्रवद मयावकमद॥ ६८४ ॥ दायायाकिगुह्यायाकिनेगुनघयिकायक॥ सकमा
 वयययनयनायारुवमिककैश॥
 माकासयययनायारुवमिककैशधमाथ्य
 गुनवमिकायी शुभ्रुमंवावकाधिकं॥
 संधं शुभ्रुमंवावकाधिकं॥ ६८५ ॥ दायायाकिगुह्यायाकिनेगुनघयिकायक॥ सकमा
 वयययनयनायारुवमिककैश॥
 माकासयययनायारुवमिककैशधमाथ्य
 गुनवमिकायी शुभ्रुमंवावकाधिकं॥
 संधं शुभ्रुमंवावकाधिकं॥ ६८६ ॥ दायायाकिगुह्यायाकिनेगुनघयिकायक॥ सकमा

२५

शुभ्रुमंवावकाधिकं॥ ६८७ ॥ दायायाकिगुह्यायाकिनेगुनघयिकायक॥ सकमा
 वयययनयनायारुवमिककैश॥
 माकासयययनायारुवमिककैशधमाथ्य
 गुनवमिकायी शुभ्रुमंवावकाधिकं॥
 संधं शुभ्रुमंवावकाधिकं॥ ६८८ ॥ दायायाकिगुह्यायाकिनेगुनघयिकायक॥ सकमा
 वयययनयनायारुवमिककैश॥
 माकासयययनायारुवमिककैशधमाथ्य
 गुनवमिकायी शुभ्रुमंवावकाधिकं॥
 संधं शुभ्रुमंवावकाधिकं॥ ६८९ ॥ दायायाकिगुह्यायाकिनेगुनघयिकायक॥ सकमा

दरुहावमियागंभ्रं गुहं भ्रं गुहं नष्टयाशावधिकां॥	६०६ ॥ सर्वेषां भवत्तानां कीयावत्तमत्तं संशाकस्यारुदथे
नीवायां गुह्याकाधितनकिं॥	समस्तवत्तदकासंशुवत्तदुरुमथाकेयाकनानध्वमदरुहाव
ध्वंशं किं शीतभावरं धननष्टया॥	६०७ ॥ कश्चिदनि कश्चिदनि कश्चिदनि कश्चिदनि कश्चिदनि कश्चिदनि
दशकशाकाशावत्तदं नका॥	कवदवनामिसानकुरुमभावरं कश्चिदनि कश्चिदनि कश्चिदनि
कमलितशाकाभावरं युनराकाभावरं॥	६०८ ॥ शीतं दायमदुष्टानि गुहाका निमदियका॥ गुहाका वसमा

३३

त्यकिं मयनयाकिनामद॥	॥ मिमायादयनरुदं दवाष्टिं ६००० गुनदं स्वमा३ काष्टिगदासनष्टुमकुरुं नानेदान
यायकायवयकयवयवसंमर्गनामिकवन	धरुमाधिकां॥ ६०१ ॥ कवयटकिं नयस्यकिं किं नरु कश्चि वा
यसाशायमदाशकिं न कश्चि किं नरु कश्चि	मयया॥ ॥ यश्चि कयानि स्यनष्टुमासवदकावनष्टुमास
नवमिमानष्टुकाकमीमयाकधनवावनष्टु	धकमवाधिकां॥ ६०२ ॥ यश्चि वयायनाकार्ययकुरयिष्टुः
यथाज्ञनाशाकिं यथायनमिर्कसवमायथाज्ञनां॥	॥ कायदयकयाकिं मिमावत्तवकायिष्टुयचकयाककाय

मावथवकार्यमहि कयायनमि कमावथवथवमशिरुनयका कनइकाया समरुंमार ॥ ११४ ॥ समदावरनारु
 नियाका रावरनागुदाहानवदावरनादवा
 दुवष्टु राकादु रंदसनदवकी करंथवचारि
 काशानवक्षानेव देखावास्वमिराकुरवकीरु
 वधमयायनकुरकीयाककाथदासिवरु ॥ ११५ ॥ नदियाकुरकुरं तारियाकुरकुरं तारिनाकुरतदीना

धाविकावरनाकीय ॥ समदतदवष्टुथिवियाकावनः
 कनइवर्ग ॥ ११६ ॥ वगुका निनवासानि नयाकाशनरु
 या ॥ ॥ द्यायासयायाकावनरकायाहामरुवंधनरु

३०

कुरुवष्टुवविगांगकि ॥ ॥ नादेनकिरकारुनकरां मिमानथवकारकाद्वरं मिमायाद्वरमानं नादियाकुरमानं
 स्वष्टुवनवरवयुका ॥ ११७ ॥ रकाया
 याकिनसंमथ ॥ ॥ मिमाकासवांगु
 मिमानद्वरसांथवयासमवाहयानि रायवय
 चकासाद्वानवयसांमिश्रनयसांमिमदात्मकाग्रथोदायानयसांमि ॥ ११८ ॥ नेवयसांमिकाका
 वयसांमिकाननंमयदकासांमनंमयद

धाविकंष्टु कुरुयाद्विष्टुंष्टुयशायाध्वंष्टुययथापिष्टुयः
 गुयिनमिमागयवराकानथवयासमवाहयानि रायवय
 वथमसंमथममावनिष्टुयन ॥ ११९ ॥ नेवयसांमिकाका

अहंकारनकावक्रान्तमहत्तु अधिकान्तदायनमहत्तु ॥ ५५६ ॥ किं ह्यमत्रं यमस्याने कार्याक्रममयोवानेतावनः
 यस्यागमंभो वंमस्यकृद्गुहमागमं ॥ ५५७ ॥ अहंकारनकावक्रान्तमहत्तु अधिकान्तदायनमहत्तु ॥
 सारद्वयसांभंगामद्वययावद्वक्रांकेयुमस्य
 दिनसवधुकिंशायाभुवमकनाविगीया
 नयाकवांयमवमकिंमुयाकमवमवयकी ॥ ५५८ ॥ अहंकारनकावक्रान्तमहत्तु अधिकान्तदायनमहत्तु ॥

३६

कल्पानिकरदयोयशाडुरुवाकुरवादिवाकुरवातकमद्वय ॥ ५५९ ॥ अहंकारनकावक्रान्तमहत्तु अधिकान्तदायनमहत्तु ॥
 मराककवादेयाहमंदुरुवाकुरवातकमद्वय ॥ ५६० ॥ अहंकारनकावक्रान्तमहत्तु अधिकान्तदायनमहत्तु ॥
 वरुकावमधुगांमिनीशांनिरुंमधुवक्रिद्व
 ययावनहावक्रिथंवाकुरवातकमद्वय ॥ ५६१ ॥ अहंकारनकावक्रान्तमहत्तु अधिकान्तदायनमहत्तु ॥
 मानिवयाविगद्वक्रिद्व ॥ ५६२ ॥ अहंकारनकावक्रान्तमहत्तु अधिकान्तदायनमहत्तु ॥

॥

गयनयमयादुसम्मीनमामनादेकयादायं

इध्वं गायत्र्यमात्रं १८७७ एकिं जातेऽवेदं नित्यं

यत्किमिदं न कुरुते ॥ ॥ नरककायदयावद्वायत्ताकम

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१८५ ॥ जकार

धनयावेवा

॥ १८० ॥ अथ काशीशिवदत्तविरचितः ॥

वृषस्तुङ्गम् ॥ ॥ मरुत्तकायदशनकदाविष्णुस्तुङ्गकायः

॥ करक कायदशनकदावेकदुक्तकाय

रथसाडद्वययू॥ १८८ ॥ एकनशुकवृक्षनदयामानवव

१८८ ॥ एकान्तशुद्धचिन्तनदशानवव

वह मायादिसिधामिननयनसमस्तवनदकांदहयसंकुचका

नयनसमस्तवनदकांदहयवकुशुका

कथिय ॥ ६२४ ॥ साक्षिबन्धुनाक्षय येसाधनसाक्षिबन्धुना ॥ गुनधर्मोपदेष्टव्यनिशुबन्धुनाक्षिबन्धुना ॥ ६२५ ॥
 यज्ञानं गुनधर्मन साक्षिबन्धुनाक्षय येसाधनसाक्षिबन्धुना ॥ ६२६ ॥
 यज्ञानं गुनधर्मन साक्षिबन्धुनाक्षय येसाधनसाक्षिबन्धुना ॥ ६२७ ॥
 यज्ञानं गुनधर्मन साक्षिबन्धुनाक्षय येसाधनसाक्षिबन्धुना ॥ ६२८ ॥
 यज्ञानं गुनधर्मन साक्षिबन्धुनाक्षय येसाधनसाक्षिबन्धुना ॥ ६२९ ॥
 यज्ञानं गुनधर्मन साक्षिबन्धुनाक्षय येसाधनसाक्षिबन्धुना ॥ ६३० ॥

यमदायि वदनामदागरययाधर्मसाक्षिबन्धुनाक्षय येसाधनसाक्षिबन्धुना ॥ ६३१ ॥
 दाकावन्धुनाक्षय येसाधनसाक्षिबन्धुनाक्षय येसाधनसाक्षिबन्धुना ॥ ६३२ ॥
 यमदायि वदनामदागरययाधर्मसाक्षिबन्धुनाक्षय येसाधनसाक्षिबन्धुना ॥ ६३३ ॥
 दाकावन्धुनाक्षय येसाधनसाक्षिबन्धुनाक्षय येसाधनसाक्षिबन्धुना ॥ ६३४ ॥
 यमदायि वदनामदागरययाधर्मसाक्षिबन्धुनाक्षय येसाधनसाक्षिबन्धुना ॥ ६३५ ॥
 दाकावन्धुनाक्षय येसाधनसाक्षिबन्धुनाक्षय येसाधनसाक्षिबन्धुना ॥ ६३६ ॥

गमयादरयायमभवकंधभायातथनसान्वं

इकायायायमारुत॥ १०० ॥ ॐ विष्णो नमः ॥

॥ कारवाययनासोविकालमोक्षसंग्रहशाकायः ॥

गोकारं मशकं वसं विद्याय कालमशकं वदिसुदक्षयकार्यथा

दशनेदनकारुतेयंछिकन॥ ५०६ ॥ कारुययमिरुकातिका रमंदरकयकाशाकारमकेयडागकिवालादिइ

॥कारनयानिया कंननवकारनयडासंदाययायेवकारसंदनकारसंजागरयंनथधिंशका

गदनाविर्जरुलंकावात्यपरु रु॥ कालेयवरु रु॥ मि० यनका

आयि यकारव न स ह र द यि व कार या दान श्रु म्भे या यि व द न वं काः

रुद्रवृद्धाकनिरमारुहः॥ सव्वमंदरनका लस्य आस्वात्तामदरु

॥ आकाशदिमायुथिविलंबवद्भास्यसिद्धमश्वमेधमयंकान्तमायकिवधुक्रियावनानकायमिकवध

को॥ १०४ ॥ किंकारि शक्तिवक्ता वाङ्मन्यकनवृद्धमनप्रहृतयनकगामरुक्कधर्केशी शक्ति॥ ॥ इत्यायङ्गया
 वगुणायमहं हमदयथाविदिवाहकृयनक
 वनमश्चिच्छुवद्विमधुयराकमशा अविषक
 मित्रराहंशुयमरुवधंविवायमद्रुनया
 रुवन्मिकिलगामराशासागला रुदमिष्टुनिनेयलयायिनसाधिव॥ ॥ यत्रयसमदनमयोदमधिरययकवरासाः

४३

धरुनरुकाया सागररुदययमयवयरयकारसी॥ १०५ ॥ मरुध्वरनिकत्याकृमजाद४ सागरस्यय४ शक्तियनमदास
 त्वा नववन्मिकदावन॥ ॥ कल्याकरस
 दिशर्वमवकाययुयवसमद्रसान्वत्य॥
 यमनिरदयासाध्याविश्रु॥ ॥
 साधिरुनयाकदयादव॥ १०६ ॥ साधिसन्मानमाकनरुवन्मिदहविकारं४ डयकारमरुनायिद्रुकीन४ वनगुहक॥

कृष्णकियाकसंथवकार्यसदुपनिनमाधरयमिगवाका
 निरानांयहकनंतहकां॥आवेनंशाधिमा
 धायाथंयायसुनंशियमदसाविद्वाननया
 मदमासायद४सक्ति४मदकोभवसंयद४॥
 दांकवसंयदंकवः॥कवजनविवासनश्याक
 आयदंसदसंयदंसद॥ १२१ ॥मयुमुशकिमकनवमुसवनवः

४६

दमाशाविष्णुसंसारनमाकनमदमावरसंयको४॥
 नविष्णुसंकाययायममरयावकवयययसं
 वक्षामविमका४॥सर्ववसानिनामृठाक्रिया
 निधसमरुंवसानिदाकांमृष्टक्रियाकमीया
 सावाकयावनंशाधिशाश्वत्वारिकृत्तिकाकवा४कविवाका४॥

॥महादवर्तसंयुक्तयाययुक्तयाकनयदमात्वंसंयुक्तयायवम
 माययायहाथकादयाव॥ १२२ ॥लवकयाथकक्षेत्रयवा
 वरुधयष्टिका४॥ ॥आयववाकसंययमंमासुमवय
 कंक्रियावंनयष्टिककवा॥ १२४ ॥वोदिसंमधवानिर्गंशक
 ॥वाहकवनिजावमवनिजावराजमवाकयाः

वनधर्मिणां विरहानि यानि स्यान्त्यायिव कारुण्येन नृका यस्माच्चायायिव ॥ १११ ॥ वनधर्माधिकानि कं विद्याः
 थिव वदन्तु कं शाश्वतु कामयत्यर्थं मानाधिः
 वनधर्मनगसां कृतां विदुः पृथार्थिका यन स्रु
 वामत्ययमद सा कारं वा वा वदन्ती क रं ॥
 वयमिथं कामयसाक वनधी तं दं थं मि क र नृद क र किं थं थ स का धि स या र क न धि कां ॥ ११२ ॥ ॥ इति नृधिययवादि

४०

वने वा विष्णु सकारनं ॥ न धि श्रवणे जिह्वा द्वादि दा सा द नृधियं ॥ ॥ इति नृधिययवयवानुक्ता क विष्णु समयायि
 व का स्मि मथान दा स व य नृद स द सा द र व
 दानि यथा कि ॥ ज्ञान ना वि त्र मा ना नि यश्च
 त्व द थ द श व हा स्यां या र या य धि न सां त्व तं म
 द र द्या ये व द ध्या न किं शु का इ व या ये ना सा
 या वि य थं थानि व ॥ ११३ ॥ ॥ त्व व ४ स व य मा ना नि या वि वि द
 या यि न य थि कि ॥ ॥ इति नृधिययवयवानुक्ता क विष्णु समयायि
 त्वानि व त्वा ॥ ११४ ॥ ॥ द शानि या धि य म त्वा धि न व न वानि गु ॥
 ॥ इति नृधिययवयवानुक्ता क विष्णु समयायि

नसां सायिव रादा सिवदा वधं ॥ १३० ॥ मदीयिय विने हरे वाध्य लदा द्विय शुभु भा विज म दा भव लन अटक धुवा	
येथा ॥ मदीय काकिरु व म कोदः	रुमा र य ल क न य धु व न न म हा य रु न म र क धु या व न म र व
थं व धा वि यिव ॥ १३१ ॥ मय कू व ४ त	र कू व ४ म यी द र म र शा त व ॥ म को य वि व म र म यी ४ व र ४ क न
य सा य म ॥ मय कू व ४ त	म यी या सि वं ४ क न म यी कू व ४ त न धा र सा म को य वि न म यी ४
य क या य वि व ४ क न का कि रू का या धु वं ड य ड व म नि या य म वि व ॥ १३२ ॥ ह कि रू म र द शा नि ग र द रु न वा वि	

४८

दिना शां गि ना द म द रु न द म ल्या ग न ड कू न ४ ॥	॥ व कि सि व द र वि क या र क मा र म र व ग का वि क या र क मा र ४
इ क व दि क या र क मा र ड कू न व ड र द सा	द म ल्या ग या द न ड ड या य द व ॥ १३३ ॥ ह कि ना कू म द रु
न का दि रु न वा वि न ४ मं जित गु द रु न	त रु न रु न ड कू ना ॥ ॥ कि सि व मं क म जो रं वा न म द वः
सा य क का रं वा न ४ ड व ना द का रं वा न ड कू न	व ड का या र मं जा रं वा न मा र ॥ १३४ ॥ ड कू न या रि द रु याः
मा रु ना रं क का ये दि मा नि ना रं क म यी ४ कि म सो न रु थं क व ॥	॥ ड कू न क का या ना द रु मा र सा रु म व ड र म रं का

दकडा श्रुमानेनरुयवयावमानसर्वं सयौवमयाहायशधुथंइऊनयुसमादकसार॥ १३३ ॥ याजायाकविशयनविह
 नयत्रगवथार्यथाहाहनानिषवकदीरंकीया
 थंघावनकानसायाइदवयिवइइमानका
 नकदावनकाइइऊनमयाकिरुनहंवाइवी
 चंकारववमइइऊनववहाववासादसमोइकासिधुअनववासांदयइवव॥ १३४ ॥ यद्विककवकदवासासिनिम

निषवकविषं॥ ॥ याकुमयाकविशयनह्याजासाववीव
 नविषवयिवविश्याकन॥ १३५ ॥ इइमकमिमिमत्यानाय
 जावक॥ ॥ सिवासककावयंजायावशमकववनइवमः

४२

धूयेऊवशमकानवयुदधकदस्यानंनविद्यक॥
 कानथाकतुरयाकविमियाकइकयाडविथ
 दयावेरुअरुहाविद्यासममयेकाशिविनाम
 यमिनहंकारनमारशुनधिरसाविद्यामया
 वना॥ नसाधुमुदताकिकिरु कसालीइकशामुद॥

॥ धूयमा ६० यावयाहयनवयमा ६० सियुनियायाकशुटिका २००
 रिधकअरुमियमद॥ १३६ ॥ अहानककदवाशावमीकमः
 मयमशुकि॥ ॥ अहानसवांगकयकिदवाशाविवमिकरु
 कसाकार्यनासइयुवा॥ १३७ ॥ मुदनेवमुददनीमुदमेहकिद
 ॥ नायवनकाकुमावकायिवनायिवनंहुकमावकीवनाय

वनसाधिवयमदिदयेककिमदुधनननयवदुधकयासिधुशुकाध्या॥ १४० ॥ वनयदालिमावादिददकिमनानिल
 ककि॥ ममममययकिजयाधामुदसीक
 यद॥ गवतंयवदयां हांमयंमायकिवन
 निहाडयनिवयकमानिदुवकयारिवदुयः
 संकोरकमाव॥ १४१ ॥ वदयारुदयभूययवदायानुदुरुन॥ कदद४यदकिरेवदुवक४यारिवदुयका॥

रं॥ ॥ गुरुमवासांदयामिननयाववासायमायवदाककव
 यमिकरन॥ १४२ ॥ ॥ वदयामावविदद४कयावदुकायि
 म॥ ॥ मंयुसाकधमायवाकयाथाययववधुमयान

३०

गुफययिकयययिसानकाकभवयादायनकावदवलायदुयसंरुवथुकिथानसंकोरकमाव॥ १४३ ॥ अखयानं
 गयामलागावलेवयमाकिका॥ कथावा
 डताकमंरुवनकवसासिखकाथायामि
 रंयवलाभिरकाकीय॥ गजिनवकुा
 यययययाकवकमिसाजिथिसाजिह्वदवकुधुकिथानसंकोरकमाव॥ १४४ ॥ नविध्यायदशीमिथुस्यमि

क४यवायासिदुवकयारिवदुयका॥ ॥ गवलाकिमिः
 साधकमायायकांमावकमाव॥ १४४ ॥ वृजिनधमदामि
 जिह्वदवकयारिवदुयका॥ ॥ वृजिनवयिमिमि

॥ आत्मनायिकथाकारिभिरुपेयं नकारयम् ॥
 यं मरुतमिह वदेयं यथायं मरुतम् ॥ १०० ॥
 मरुतं न स्यादत्रिंशं सदा वक्षः ॥ ॥ क
 वरुणं गमयामि स्थितिं सितवस्त्रमरुतवत् ॥
 किं ॥ कथाश्च नास्ति निवृत्तिरुक्ता दमनास्ति विरुक्ता ॥

॥ इह वक्ष्ये नानाविधममरुतवत्तद्विषयं मरुतवत्तमकाविहः
 ॥ कनयामात्रे वा जानते विषयं वृत्तं यत्किं शास्त्रवद्विर्गमं
 निमित्तं न वदय मन्त्री या वा जा मयि निरवकि नियादं मरुतवां मरुत ॥ १०१ ॥
 निज नना ॥ १०२ ॥ ॥ क मन्त्री नास्ति विष्णुसंक्राया कथायं
 ॥ क मन्त्री नास्ति विष्णुसंक्राया कथायं मरुतवत्तमकाविहः ॥

॥ १०२ ॥

कव कथाश्च नास्ति निवृत्तिरुक्ता दमनास्ति विरुक्ता ॥ १०३ ॥
 नास्ति इह कथाश्च नास्ति निवृत्तिरुक्ता दमनास्ति विरुक्ता ॥ ॥
 कथाश्च नास्ति निवृत्तिरुक्ता दमनास्ति विरुक्ता ॥
 अथात्तमरुतमिति वदन् मरुतवत्तमकाविहः ॥
 श्रीवदयं वदन् मरुतवत्तमकाविहः ॥ १०४ ॥

॥ नास्ति मरुतं सदा यो न सो वदन् मरुतवत्तमकाविहः ॥
 यथा क मरुतवत्तमकाविहः सपि नियायुव वत्तमकाविहः ॥
 स्वर्गं मरुतवत्तमकाविहः ॥ १०५ ॥ ॥ द्वौ विष्णोर्दिवसाग्निं कर्दयन्तु गुरमि
 व ॥ ॥ वां मरुतं निमित्तं मरुतवत्तमकाविहः ॥
 श्रीवदयं वदन् मरुतवत्तमकाविहः ॥ १०६ ॥

॥ १०६ ॥

कजाकारुयंनकोदादि न्यागमासि रकाशा ययेन निविद्यन नकु यो न कुमंगकि ॥ वायकजाकाः
 मभरुयाविय राकाक वया गिधदाका यथा यममदकंश्चयं मंता यरायक मरुवा ॥ १७६ ॥ नाऊनः
 शुक्रगांयोकि नवेक ल्यवक्र धं कं नना विधि रवद्वि स्याक नमर्त्यः मरु कं वदक ॥ ॥ मंऊर कायियः ॥ ३
 मरुदावेक रकावन वक्र धं कं मरु वमि साध थिरवद्वि मरु व मर्त्य न मरु क को मरु य मरु वा ॥ १७७ ॥
 मानमवादाग्नि मयधु या वि स्य वरुथे व व ॥ यन वद्वे क य मारु क मारु द्युयं न का वयक ॥ ॥ यन मय दग्नि मयः

वायया मय धु मिया मय वा वय य धु मिय क दय क मरु वा ॥ १७८ ॥ मरु द्दे ग क र क धु य कं मय य र मी य शा नि दा मि
 थन मा र मय मरु क क दि व धनं ॥ ॥ दका मरु वा द वा मरु क र ध य र मी ह व मे थन मरु वा म धु मिया मयः
 वयं वा वि वा यि व य ॥ १७९ ॥ वाय र दा शः य र मय य वि वा रं यो र मय र वा या वि दा र मं गु र थान वन क ४ य वि व
 कयक ॥ ॥ वाय र मी य र धन मय याः य म क मिय दा मया य धु मिय गु र थान या द नं मा द क मार ॥
 १८० ॥ वाय रा क का य द न्ना रं य र क यि य वा दि नं ॥ वज य रु ह मी रं वि य कं क य या म र्ता ॥ ॥ वाय रा क म

कार्यमायकयहवनधमयकारुनकाकथयिगुमिककादकनारयसथहाघरमददनवायकावकयाथंवा॥ १८६६

॥ कदमधुकरुलिशुकरायाकनदिकथा॥

कदयैवकराथैकवजयकयाधुकरमदा॥

॥ मारिगु

दमभुलिनथायकनरिकमीमारिगुद

यमारिगुमूननयथकिथयिगुयनियनमदांकारकमारधक

३४

॥ १८६७ ॥ उवमीर्योदेवयनरहाज

दिकिशारुमाहागायाविमनकाधैववजनीयावमकीया॥

॥ उवमीस्वगीयाभयसरायनिवशुकिशारुमागायाविमिथनकाधैवमकरसवडार्थिगुवयवमकीकरहास्यत्वदः

नंनिविहियायमारता॥ १८६८ ॥ ययकायैवविहयमदमाविहयादयशाविथकियसमहादानायविहकाद्विवक

ता॥ ॥ यनयकनकायैमरुदया॥

कककनननंरुवदकसनांविथकिममहादयधकिविहकनन

मादरुमाव॥ १८६९ ॥ रुकारुकाभः

मयस्यकायैकारुकांशा॥ मदाकायैवदहाककयंमर्वः

दावश्च॥ ॥ रुकाभुकासायाः

वकायैवकायैरुकाययमदाकायैमंसंदसहमगायजागाः

मदांरुनिजाकायता॥ १८७० ॥ रुकयंमकरिनानंसाजायवायाडिविनां॥ रुकयंरुननकनंरुकायवायवांका

शीर्षां	॥ अकरीयां भव्यां किं नित्यं वाहनं राकावण्यायका शयवेवेरी वं ह्यमात्र ॥ १५६ ॥ यादयादां रु	
यं वा रु ॥ यमातां मिमिवा रुयं ॥ यवेका	नां रुयं वं का रुनुनां द्वियदा रुयं ॥	॥ मिमांया रुयवा रु
यव ययया रुय मिमिवाका यवे रुया रु	यम रुनुया रुय मन्यो ॥ १५७ ॥	॥ माका रुदिविवां द
यात्यिमा विवीय रुमना राका कया रुया	न्यायं का मका का रुविश्यां रु ॥	॥ कदा विरु मा मन्यमः
विमहा व वनकाय मिमहा व राका नम्या वया रुहाय वर मजिर रु रायिव म रुय ॥ १५८ ॥ ये रु राका व		

ये वीर ॥ ममकी मयवा दे रु ॥ रुका दकिं वा विश्यामी ये का व रुका रुमा रुयं ॥	॥ यन वद मम राका थम थमं य
मंकीं या दे मं व रु वहायं थ थय मजिन रु	याय गता न रु रु यये व रु वं नानं रुय रुयं ॥ १५९ ॥
॥ का विमिमा रुय व राका रु मारिका ॥	देवा ये ना दि रु रु कि मी ले रुं या विवी रुय न ॥
का रुं कया रु मया रुं दया रु रु रु वनं रुय	वाय रिया रु म रु वत ॥ १६० ॥
नां किं रु या रु नं ॥ या यान रु रु मा व रु रु न द वा रु विश्यां रु ॥	॥ रु म ये वान न व रु रु थ मा व रु रु नि रु या व रु रु य रु

कञ्जयमिमायासाकाङ्क्षंस्नानदावहावमिजनयासाकासमृद्धिनवहृदययकंवानस्वामिसमाकावदयारुज्या॥ १०६

॥नक्षत्ररुचयनंरुचंनाविनारुचयनयमि॥

रंकाररुचमासिमायाआरंकारययययु॥

१०७ ॥महमायिरुचंरुचंनाविनामा॥

मवनयादाङ्गवहास्यंभुयमानंरुचिनिवनयादाकार्यरुहास्यंमात्रंमाकेरुचमाथंक्षरमाक्षरुचानरुचिनरुचंरुचयाका

यथिविरुचयनंयकासीरमरुचयनं॥

॥नक्षत्रयया॥

यिवियाआरंकारयकासमस्यांआरंकाररुकाक्षुमिरुचय॥

नमरुमा॥कमाविवरनद्याकनकालियस्यवरुचयनं॥

जागं

वियनागयस्वकाङ्क्षंरुचं॥ १०८ ॥सविदुमिगकायंभुविनावियमिवकाक्षुविदुमाकवासाकासंकायावांमनासवि

४॥ ॥रुमवांयुयंरुहास्यंसवि

सविदुववांमनसविदुवसंकायदुहाव

रुनंयविरुद्वनस्यभुविदुवि॥

रंरुविनानंरुविद्वय॥ १०९ ॥रुमानाभुदुमकायमासममनाभुदुमिथावदुसाभुदुमनीरितदिवानसदा

द्वंमिमायमिवकाङ्क्षवहास्यंसविदुववांकाक्रमविारिदुवहास्य

सावि॥ १०९ ॥भुविदुमिगकायंयकनयानविदुमनय

॥वमवायामदरवांयुलंयसाविवायाथायमादमावमववांयु

स्यारुनेन॥

॥ लंघनमयानदास्यं यस्मिन्मादुवं वां कृतमकृयाकनान्धामा गयनशकृदवहावसाकाकृवं

मययायायनमाकादुवं॥ १०६६ ॥ यस्मिन्

मयवंयवियानां मूर्तिनां कवदात्तवंशा यवयासर्वनाशनांगदा

नां वल्लभावां॥ ॥ वां कृतमयाडदृ

दादुवंयैरुयायमरियाकरदथयडदृदाभिसायाडदृदादु

रंयवयमायाडदृदादुवंनकवविवदयाः

वदुवा॥ १०६७ ॥ अग्निदाकमयवंदशाभीरंयैरुदवंधुवं

यदियुवंदलंताविदरुकरुकरुलंधनं॥

॥ यदमयायादुवंनअग्निदाकयायभाकृददायादुवंनशीरकिनका

कोल

श्रीवसंगमयादायादुलनकायदयकधनदयायादुवंनदानवियकिनकतयमान॥ १०६८ ॥ अग्निददाकिमायनम

याददकिमिमाकिशावादाददाकिदलुनम

यसावां कृमाददु॥ ॥ अग्निददरायिवकायनमयसा

ददरायिवकिरनधवाकायंददरायिवदधु

यादाववां कृतनददरायिवकययाववन॥ १०६९ ॥ मत्तमा

कमुकंमांसकवनयथिकंदाविशाकृदयाः

दरुवयैरुदुलाभामांसकृदुन॥ ॥ मत्तमाकसिका

वावागनादेयाधवीवाशनवावयानधवनयमांसनयवदुला॥ १०७० ॥ नदयानमकिंदयाकृदयमानानदलद

कुरुयंशां मंकायरीत्यङ्कुरुनामयद्विधिरा॥
वधसाकाकादकावकादिद्विधिराका
नांयावेरुं प्रवरुमानां निवृत्तिरुमदारु
भवयानंदायनमदयानियाखकाव॥
१२२ ॥ अहुमागरययकायादयुधिषीमिमां॥ नत्वादयायेयामाअहुममदिर्वि॥

३२

॥ यमस्यायमकवधमनश्चरयावस्त्रावकंमकवस्यादासायंमक
मरातयकवय॥ १२३ ॥ नमात्रंरुक्तंदायंनमयंनवमेध
लं॥ ॥ वातयानदायनमदयकादानंदायनमदकासः
श्रवदायधकिनिवृत्तिर्यादंकादकवमा मदाहलवाकधका॥

६०

॥ यिवममदनड

कथयथिविद्यमराकानंदानवियायाह्वयकनंराकादकावनिगमासिरुयायाह्वयडाकिरुवासिकनयानिकन
ना॥ १२३ ॥ अमिरायकीया मय॥
यह॥ ॥ मिलंयकी मय मय
माना॥ १२४ ॥ अहुमांमंकीयाह्व
यह॥ ॥ अयुयिवादिथिकराक मयया मय अमयावधरी मयमेथनयादानकदवयकानथयकानकन

मयराककयानिव॥ निलमयययनद॥ मययानकयानि
राककरधकिरुयंडययनंरुत्कारनंयानमावकाह्वयधु
द्विवालाककवनादवि॥ यकाक मीथनानिडा मययानदयानि

नंयानमायकद्वयं ॥ १५७ ॥ सद्यमासंयुक्तं सद्यवाताश्रीक्षिप्रमाकनं ॥ १५८ ॥ दककवृष्ट्या सद्यमानकानिषदा ॥
 ॥ नकस्यादायानककायाधरवाच्य ॥ १५९ ॥ इदयज्ञानयत्नमव्ययं सिमाहृयानगाहनकायकाववाहनध
 यमानयानकसाक्यकननं ॥ १६० ॥ ॥ १६१ ॥ अनादकगुनंयुक्तं दकगुनंययथाययमाद्यगुनमात्रमादरुगु
 नंयुक्तं ॥ ॥ अत्रयाकनानयादगुनं ॥ १६२ ॥ इदयाकनानयादगुनलायाया
 कनानयादगुनय ॥ १६३ ॥ ॥ यंचक्रियनिनस्याकिं कदाचिद्विधानं ॥ अकिमानिबकासिबगुवृद्धयिकथेवय ॥

यदाकानमायकननायायिकद्विक् ॥ १६४ ॥ अकिदियवदयसयकिमया ॥ वादेकि ॥ अरुद्धदानसिबधसयकिद्वयममादि ॥
 १६५ ॥ अकिदकादानसिबदकाधनसमानयुधिदिधरयंकरधक ॥
 ॥ १६६ ॥ असायिदिमसायसाय ॥ कवृक्तयं ॥ कायांवासासनासंलायांवायुं ॥ अयुक्तं ॥
 ॥ असायसंसायसायकासायकवृद्धयकधावमाकासिवासायवृद्धयसाययगंसायनसहादवयुजा ॥

यायधमिसावदकधिकां ॥ ३०० ॥ इति श्रीमानकशास्त्रसंग्रहकृत् श्रीयसकर्मसमाध्यां ॥ ६६० ॥ ३०० ॥
 समस्त ६६३ अग्निष्टुक्त मया दस्यां आदि ॥ ३०० ॥ ३०० ॥
 दावसावकधीक सववदुकक ४ या वावक ॥ ३०० ॥ ३०० ॥
 दारिद्र्यधीकनाक वडनायं अहमगि ॥ ३०० ॥ ३०० ॥
 हिवदासनमृदाय सादिक नानावसु कथानिर्देह स्यां वादावव समनस्य चारे के डत्या किन स्यां वयाव धयान

नादिनमं यध ॥ दानयकिधीकानिय रभादानगर ३०० ॥
 महाविदावदकिनदिसकु वदुकागुदा धिष्टिकधमोनासा ॥ ३०० ॥
 वाकवनय दारिद्र्यनाममहा मेहेरुमधी ३०० ॥ ३०० ॥

६१

कथायासाय थमशन मयेनयायकादवा ॥ ३०० ॥ ३०० ॥
 वृद्धिचयु ॥ ३०० ॥ ३०० ॥

वुरुमजनकवसु सवेदा ॥ ३०० ॥ ३०० ॥

आशा आर्य

2499

ASHA ARY



